पूंजी संग कौशल का मेल हो तो रफ्तार भरे फुटवियर इंडस्ट्री

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत हुई कार्यशाला में बोले विशेषज्ञ

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत इंदिरानगर के एक होटल में सोमवार को ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत हुई राज्यस्तरीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि देश फुटवियर निर्माण में विश्व में दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन निर्यात बेहद कम है।

खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक डॉ. नितेश धवन ने कहा कि पूंजी के साथ कुशल कारीगर हों तो फुटवियर इंडस्ट्री और रफ्तार भर सकती है। इसके लिए ब्रांडिंग व आकर्षक पैकेजिंग बेहद जरूरी है।

विश्व में फुटवियर निर्माण में दूसरे नंबर पर है भारत

रायबरेली से आए फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के कार्यकारी निदेशक सुनील द्विवेदी ने कहा कि दुनिया में फुटवियर निर्माण में दूसरा स्थान होने के बावजूद निर्यात सिर्फ 13 फीसदी है। कुल निर्माण का 95 फीसदी हिस्सा देश में ही खप जाता है। कौशल, ज्ञान और सूचना के जरिये इस क्षेत्र में धमक बढ़ाई जा सकती है।

काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट उन्नाव के सहायक निर्यात संवर्धन अधिकारी अबु सुफियान ने बताया कि देश में 39 हजार करोड़ तो यूपी में 10 हजार करोड़ के लेदर प्रोडक्ट का सालाना निर्यात होता है।

उन्नाव के लेदर टैनिंग एक्सपर्ट अमित गुप्ता ने कहा कि चमड़े की दृश्यता और टिकाऊपन का कोई जोड़ नहीं है। नाबार्ड के सहायक प्रबंधक समीर राय ने आसान कर्ज के बारे में बताया। फुटवियर टेक्नोलॉजिस्ट विष्णु श्रीवास्तव ने उत्तम तकनीक अपनाने पर जोर दिया। खादी बोर्ड के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी महेंद्र प्रताप ने कहा कि आज जूता जरूरत नहीं, बल्कि हमारी पहचान बन गया है।

कार्यशाला में बोलते खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक डॉ. नितेश धवन। साथ में बैठे एफडीडीआई के कार्यकारी निदेशक सुनील कुमार और नाबार्ड के सहायक प्रबंधक समीर राय व अन्य। -संवाद

10 लाख के कर्ज से किया 60 लाख का टर्नओवर

कानपुर से आए उद्यमी आरके यादव ने अपनी कहानी साझा करते हुए कहा कि वे 20 साल से इस पेशे में हैं, लेकिन दो साल पहले प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 10 लाख का कर्ज मिला तो कारोबार बढ़ाया। आज उनके पास 20 लोगों का स्टाफ है और सालाना टर्नओवर 60 लाख रुपये पहुंच गया है। राजकुमार गौतम ने बताया कि वे लेदर की बेल्ट बनाते हैं और विदेश में निर्यात भी करते हैं।